आउट कम बजट 2013–2014 के डाक्यूमेन्ट खण्ड

1. विभाग के कार्य कलापों की संक्षिप्त टिप्पणी

उत्तराखण्ड वन विकास निगम द्वारा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रतिबन्धों के अधीन वृक्षों के तकनीकी रूप से विदोहन से वनों का संरक्षण एवं संवर्द्धन किया जाता है तथा आरक्षित वन क्षेत्रों में आंवटित नदियों से उपखनिजों के चुगान का कार्य करने के परिणामस्वरूप पर्यावरण संरक्षण एवं सवर्धन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया जाता है एवं उत्तराखण्ड में जड़ी–बूटी संग्रहण के क्षेत्र में उत्तराखण्ड वन विकास निगम नोडल एजेन्सी के रूप में सक्रिय योगदान दे रहा है। उत्तराखण्ड राज्य में रामनगर, टनकपुर, बीबीवाला (ऋषिकेश) में जडी बूटी की मण्डियाँ स्थापित की गई है तथा प्रकृति संरक्षण एंव संवर्धन के संदेश को इको टूरिज्म के माध्यम से जनसामान्य में प्रचारित एवं प्रसारित किया जा रहा है।

➢ संगठनात्मक ढांचा

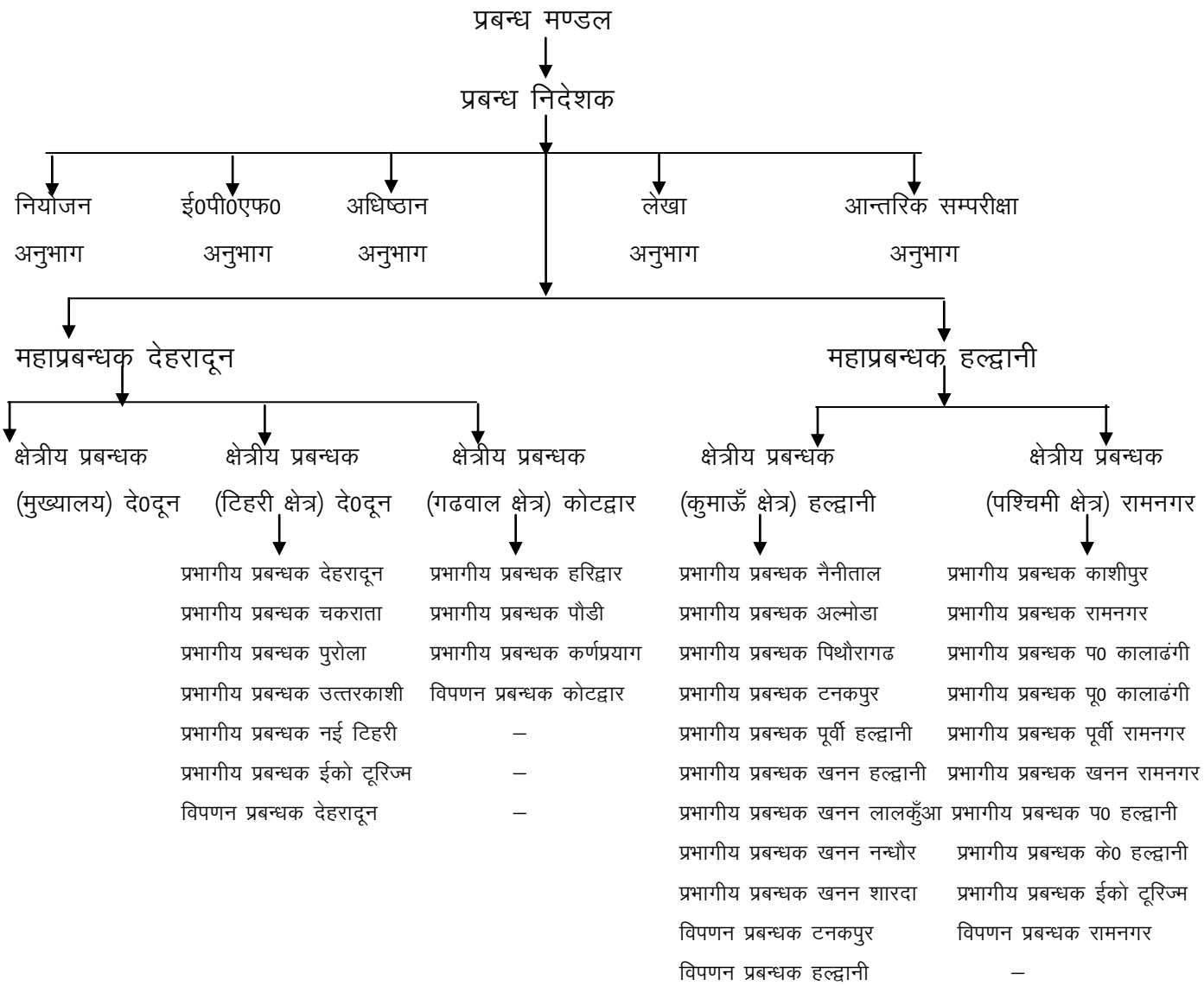

नोटः– उत्तराखण्ड वन विकास निगम के लेखा कार्यो के संचालन एवं नियंत्रण हेतु 05 लेखाधिकारी एवं अधीनस्थ लेखाकर्मी कार्यरत है।

➢ विभाग द्वारा संचालित योजनायें/कार्यक्रमों की सूची तथा तद्विषयक लक्ष्य एवं नीतियाँ

योजनाएं

- ❖ खनन श्रमिको के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु निःशुल्क शिविर का आयोजन।
- ❖ जड़ी–बूटियों का वैज्ञानिक पद्धति से उत्पादन, संग्रहण, विपणन व संरक्षण करना।
- ❖ वन विभाग हेतु वित्त पोषण योजना।
- ❖ हरित क्रान्ति योजना के अंतर्गत वृक्षारोपण योजना।

कार्यक्रमों की सूची :–

- ❖ उत्तराखण्ड की जनता को घरेलू उपभोग एवं भवन निर्माण हेतु श्रेष्ठ गुणवत्ता की इमारती लकड़ी, जलौनी लकड़ी तथा कोयले की आपूर्ति हेतु 39 मुख्य प्रकाष्ठ डिपो एवं 52 फुटकर बिक्री डिपो की स्थापना करना।
- ❖ स्थानीय निवासियों को कोयला, जलौनी आदि की रियायती दरों पर आपूर्ति।
- ❖ शवदाह हेतु रियायती दर पर जलौनी लकड़ी की आपूर्ति ।
- ❖ हरिद्वार एवं हल्द्वानी में गुजरात से क्रय कर प्रदूषण मुक्त एवं कम जलौनी की खपत वाले शवदाह गृहों की स्थापना का कार्य किया गया है।
- ❖ माघ तथा कुम्भ मेलों हेतु उचित मूल्य पर जलौनी लकडी की आपूर्ति।
- ❖ वनाधारित उद्योगों जैसे कागज, माचिस, प्लाईवुड, कत्था, खिलौना आदि को उचित मूल्य पर कच्चा माल उपलब्ध कराना।
- ❖ ईको टूरिज्म गतिविधियों द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराना।
- ❖ आरक्षित वन क्षेत्रों की नदियों में उपखनिज का संग्रहण कार्य कराना।

लक्ष्य एवं नीतियाँ

- ❖ वार्षिक 100 लाख श्रमिक दिवसों का सृजन।
- ❖ प्रकाष्ठ का मूल्यवर्धन कर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जाना।
- ❖ सुदृढ़ प्रबन्धन के लिए सूचनाओं के त्वरित आदान–प्रदान एवं समीक्षा हेतु कम्प्यूटरीकरण की व्यवस्था किया जाना एवं कार्मिकों को प्रशिक्षित किया जाना।
- ❖ जड़ी–बूटी संग्रहण के अतिरिक्त जड़ी–बूटी विपणन के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी किया जाना एवं भारत सरकार को जडी–बूटी मण्डियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने, मूल्यवर्धन हेतु एवं सुदृढीकरण हेतु परियोजना प्रस्तुत करना। जड़ी–बूटी मूल्यवर्धन से संग्रहणकर्ताओं को उचित मूल्य प्राप्त होगा तथा उसकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा।
- ❖ उप–खनिज संग्रहण एवं विपणन के कार्यो में विस्तार करना तथा विविधता लाये जाने हेतु सभी नदी तलों से उप–खनिजों का निस्तारण कम्पयूटरीकृत धर्मकांटों से वजन के आधार पर किया जाना तथा उप–खनिज विपणन डिपुओं की स्थापना किया जाना। उपखनिज से सम्बन्धित सभी सूचना साफ्टवेयर के माध्यम से आवश्यकता होने पर प्राप्त की जा सकती है। सॉफ्टवेयर प्रणाली को इस वर्ष अपग्रेड करने की योजना है।
- ❖ देहरादून में अधिकारियों के ठहरने हेतु एक राज्य स्तरीय विश्राम गृह का निर्माण किया जा रहा है जिस पर रू0 2.21 करोड़ का व्यय प्रस्तावित है।
- ❖ हरित क्रान्ती लाने के लिए वृक्षारोपण की योजना हेतु प्रबन्ध मण्डल की अनुमति के फलस्वरूप इस योजना पर रू0 8 करोड़ का व्यय वन विभाग को धन उपलब्ध कराकर किया जाना प्रस्तावित है।
- ❖ वित्त पोषण के माध्यम से वन विश्राम गृहों की मरम्मत, जंगल की सड़को की मरम्मत एवं अन्य विविध कार्यो हेतु रू0 2 करोड की धनराशि वन विभाग को उपलब्ध कराया जाना प्रस्तावित है।

- ❖ वन विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद प्रतियोगिता हेतु रू0 30 लाख की धनराशि वन विभाग को सहयोग के रूप में वर्ष 2011–12 में उपलब्ध कराई गयी।
- ❖ राज्य स्तर पर की जाने वाली कार्यशाला हेतु वन पंचायतो को रू0 50 लाख की धनराशि वर्ष 2011–12 में उपलब्ध करायी गई।
- ❖ वर्ष 2011–12 में गोला नदी में चुगान हेतु कार्पस फण्ड में लगभग रू0 6 करोड का भुगतान किया गया है।

➢ महिलाओं के सम्बन्ध में कार्यक्रम

महिलाओं के सम्बन्ध में विशेष कोई कार्यक्रम नही है किन्तु उप खनिज संग्रहण कार्य में कार्यरत श्रमिकों (महिलाएं एवं पुरूष) के कल्याणार्थ उनके स्वास्थ्य परिक्षण हेतु चिकित्सा शिविरों का संचालन एवं निःशुल्क जलौनी वितरण, निशुल्क कम्बल वितरण एवं मुस्कान योजना के सहयोग से श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा के प्रबन्ध आदि के कार्य किये जाते है।

2. विभाग द्वारा प्रस्तावित (वर्ष 2013–14) की प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (रू0 लाख में)	परिकल्पित आउटपुट (मात्रा हजार में)	समय सीमा	परिकल्पित आउटकम (रू0 लाख में)	समय सीमा
लौगिंग	सूखे रोगग्रस्त तथा मृत वृक्षों का वैकल्पिक पद्धति से विदोहन करना	42266.971	276.256	31-3-2014	44445.918	31-3-2014
उपखनिज चुगान	आबंटित नदियों से उपखनिज चुगान पर्यावरण संरक्षण हेतु	13518.364	12273.306	31-3-2014	13675.982	31-3-2014
ईको टूरिज्म	स्कूल, कॉलेजो के विद्यार्थियों हेतु टूर संचालित करना	92.084	-	31-3-2014	9.122	31-3-2014
जडीबूटी संग्रह	वैज्ञानिक पद्धति से वनों से जडी बूटी विदोहन करना	61.868	2.466	31-3-2014	235.042	31-3-2014
वित्त पोषण	वन विभाग के विश्राम गृहो, जंगल की सडको इत्यादि का मरम्मत कार्य	250.000		31-3-2014	-	31-3-2014
योग		**56189.287**			**58366.064**	

3. विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य तथा नीतिगत पहल

1. वन उत्पाद के प्रमाणीकरण की प्रक्रिया का अपनाया जाना। जिससे वन उत्पाद का मूल्य वर्धन भी हो सके।
2. उपखनिज संरक्षण से नदी के तटबन्धों का सुदृढीकरण होने के साथ–साथ वनस्पतियों का संरक्षण किया जाना।
3. जड़ी–बूटी मण्डियों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने हेतु तथा सुदृढीकरण हेतु कार्यवाही किया जाना।

ईको टूरिज्म क्षेत्र में कार्य की अपार सम्भावनाओं को ध्यान में रखते हुए अलग प्रकोष्ठ का गठन किया जाना।

पी0पी0पी0 मोड परियोजनायेंः–

- ❖ ईको टूरिज्म हेतु आमडण्डा डिपो (रामनगर) में टैन्ट कालोनी की स्थापना कर ईको टूरिज्म का विस्तार करना।

- ❖ उपखनिज के धर्मकांटो का पी0पी0पी0 मोड के अंतर्गत कार्य करना।
- ❖ पर्यावरण एवं जैव विविधता को बनाये रखने की दिशा में वनों के अन्तर्गत चीड़ की पत्तियों (पिरूल) तथा लैण्टाना गाजर घास आदि से जलौनी लकड़ी के विकल्प के रूप में ब्रिक्स इत्यादि तैयार कराये जाने हेतु छोटी–छोटी इकाईयों में पी0पी0पी0 मोड के माध्यम से कराये जाना प्रस्तावित है।

4. गत वर्ष की परफॉरमेन्स की समीक्षा

विभाग द्वारा प्रस्तावित (वर्ष 2012–13) की प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले (रू0 लाख में)	परिकल्पित आउटपुट (मात्रा हजार में)	समय सीमा	परिकल्पित आउटकम (रू0 लाख में)	समय सीमा
लौगिंग	सूखे रोगग्रस्त तथा मृत वृक्षों का वैकल्पिक पद्धति से विदोहन करना	38879.065	263.101	31-3-2013	40517.458	31-3-2013
उपखनिज चुगान	आबंटित नदियों से उपखनिज चुगान पर्यावरण संरक्षण हेतु	12562.149	11157.551	31-3-2013	12432.711	31-3-2013
ईको टूरिज्म	स्कूल, कॉलेजो के विद्यार्थियों हेतु टूर संचालित करना	83.713	-	31-3-2013	8.525	31-3-2013
जडीबूटी संग्रह	वैज्ञानिक पद्धति से वनों से जडी बूटी विदोहन करना	56.244	2.242	31-3-2013	232.000	31-3-2013
वित्त पोषण	वन विभाग के विश्राम गृहो, जंगल की सडको इत्यादि का मरम्मत कार्य	223.898	-	31-3-2013		31-3-2013
योग		**51805.069**			**53190.694**	

नोटः– वन विकास निगम समस्त कार्य योजनाए में अपने निजि संसाधनों के द्वारा सम्पन्न करता है इसके लिए राज्य सरकार से कोई अनुदान राशि प्राप्त नही करता है।

5. वित्तीय समीक्षाः–

वर्ष 2001 से वर्तमान तक उत्तराखण्ड वन विकास निगम लाभ अर्जित कर रहा है, इस प्रकार वन विकास निगम की वित्तीय स्थिति सुदृढ़ है।

(डा0 एस0 चन्दोला)
प्रबन्ध निदेशक

mRrjk[k.M ou fodkl fuxe
(शिविर कार्यालय प्रबन्ध निदेशक)
अरण्य विकास भवन, 73 नेहरू रोड़, देहरादून 248001 दूरभाष 0135–2657610, फैक्स 0135–2655488

पत्रांक ए0 – 5978 /लेखा /दिनांकः– 7 मार्च 2013

सेवा में,

अपर सचिव,
वन एवं पर्यावरण अनुभाग–2
उत्तराखण्ड शासन।

विषयः– आउट कम बजट डाक्यूमैन्ट 2013–14 उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में।

सन्दर्भः– आपकी पत्र संख्या **479/X-2-2013-12(26)2009** दिनांक 6.3.2013

महोदय,

संदर्भित पत्र के क्रम में विषयगत वांछित आउटकम बजट डाक्यूमैन्ट 2013–14 के सम्बन्धित सूचना सॉफटकापी सहित अग्रिम कार्यवाही हेतु संलग्न कर प्रेषित है।

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार

भवदीय

(डा0 एस0 चन्दोला)
प्रबन्ध निदेशक

प्रतिलिपिः– अपर प्रमुख वन संरक्षक नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन उत्तराखण्ड देहरादून को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(डा0 एस0 चन्दोला)
प्रबन्ध निदेशक